ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-04-2025

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-04-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-04-02	2025-04-03	2025-04-04	2025-04-05	2025-04-06
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	28.0	28.0	29.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	16.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	60	60	60	60	60
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	25	25	25	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	3	4	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	320	340	90	320	360
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	2	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी सप्ताह में बारिश होने की कोई सम्भावना नहीं है तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 27-29 डिग्री सेल्सियस तथा 15-17 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। हवाएं उत्तर, उत्तर-पश्चिम तथा उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से 2-4 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। सभी दिनों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कृषि पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह के बारे में नियमित अपडेट "मेघदूत ऐप" पर उपलब्ध है, जबकि बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 28 मार्च से 3 अप्रैल तक की अनुमानित प्रवृत्ति में बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम और सामान्य से कम न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए तथा अनुशंसित रोग और कीट नियंत्रण के लिए छिड़काव किया जाना चाहिए। कटी हुई फसल को अच्छी तरह सुखाया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फली छेदक, फली सुरंगक और महू कीट के हमले के खिलाफ अनुशंसित कीटनाशक या रोग नियंत्रण उपाय किए जाने चाहिए। फली बनने पर सिंचाई करनी चाहिए और परिपक्व फसलों में, परिपक्व फलियों को काटा जाना चाहिए, सुखाया जाना चाहिए और अच्छी तरह से संग्रहीत किया जाना चाहिए।
सरसों	फसल में फलियां बनने के समय सिंचाई करनी चाहिए तथा परिपक्व अवस्था में फलियों को काटकर अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए।
गेहूँ	फसल में प्रमुख प्रतिस्पर्धी खरपतवार जैसे कि गुल्ली डंडा को रासायनिक अनुप्रयोगों का उपयोग करके या लेबर द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए। सिंचाई का उपयोग फसल की आवश्यकता के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और रोग/कीट नियंत्रण उपाय किए जाने चाहिए।
चावल	चेतकी धान को पहाड़ी क्षेत्रों में बोया जा सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेम की फली	पहाड़ी क्षेत्रों में बुवाई की जा सकती है तथा ताजा पौधों पर सिंचाई की जानी चाहिए।
चौलाई	इसकी बुआई पहाड़ी क्षेत्र में की जा सकती है।
मेंथी	इसकी बुआई पहाड़ी क्षेत्र में की जा सकती है।
टमाटर	मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में टमाटर की पॉलीहाउस/पॉलीनेट तैयारी की जा सकती है तथा रोपाई के लिए नर्सरी तैयार की जा सकती है।
बैंगन	मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में बैंगन की पॉलीहाउस/पॉलीनेट तैयारी की जा सकती है तथा रोपाई के लिए नर्सरी तैयार की जा सकती है।
शिमला मिर्च	मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में शिमला मिर्च की पॉलीहाउस/पॉलीनेट तैयारी की जा सकती है तथा रोपाई के लिए नर्सरी तैयार की जा सकती है।
लहसुन	पहाड़ी क्षेत्र में बुवाई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	गर्भवती पशुओं में प्रसूति ज्वर की रोकथाम के लिए उन्हें प्रतिदिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण खिलाना चाहिए, ताकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े, क्योंकि इस समय उन्हें बांझपन और जॉन रोग (पैराट्यूबरकुलोसिस) होने का खतरा रहता है। वयस्क पशुओं में खुरपका और मुंहपका रोग के खिलाफ टीकाकरण से 15 दिन पहले कृमिनाशक दवा का प्रयोग करना चाहिए।
गाय	गर्भवती पशुओं में प्रसूति ज्वर की रोकथाम के लिए उन्हें प्रतिदिन 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण खिलाना चाहिए, ताकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े, क्योंकि इस समय उन्हें बांझपन और जॉन रोग (पैराट्यूबरकुलोसिस) होने का खतरा रहता है। वयस्क पशुओं में खुरपका और मुंहपका रोग के खिलाफ टीकाकरण से 15 दिन पहले कृमिनाशक दवा का प्रयोग करना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई प्रभाव नहीं ।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई सलाह नहीं ।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details